सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-13
07/01/2018

36वें अखिल भारतीय पुलिस अश्वारोही प्रतियोगिता एवं माउंटेड पुलिस ड्यूटी मीट–2017 के समापन समारोह में विजेताओं को मुख्यमंत्री ने किया पुरस्कृत

पटना, 07 जनवरी 2018 :– 36वें अखिल भारतीय पुलिस अश्वारोही प्रतियोगिता एवं माउंटेड पुलिस ड्यूटी मीट–2017 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार शामिल हुये। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 36वें अखिल भारतीय पुलिस अश्वारोही प्रतियोगिता एवं माउंटेड पुलिस ड्यूटी मीट–2017 का समापन समारोह है, इस अवसर पर आप सबलोगों को तथा खासकर बिहार पुलिस को बेहतर आयोजन के लिए बधाई देता हूँ। ऑल इंडिया पुलिस कंट्रोल बोर्ड द्वारा बिहार को जो भी प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेवारी दी गई है, सभी का बेहतर आयोजन किया गया है। ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड ने इस कार्यक्रम के लिए बिहार को इजाजत दी, जिसका शुभारंभ 29 दिसंबर 2017 को महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक द्वारा किया गया। दस दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में बिहार सहित अन्य राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, पुलिस बलों की कुल 17 टीमें, 571 प्रतिभागी, 274 उत्तम नस्ल के घोड़ों ने हिस्सा लिया। कुल 31 तरह की विभिन्न स्पर्द्धाओं का आयोजन किया गया। भीषण ठंड के मौसम में सारे प्रतिभागियों ने बेहतरीन ढंग से इसमें भाग लिया, इसके लिए मैं सभी लोगों को और साथ–साथ इस तरह के आयोजन के लिए आयोजकों को भी बधाई देता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अश्वारोही दल में मुझे शुरु से दिलचस्पी रही है। जब मैं सांसद था, मेरा क्षेत्र टाल का इलाका है, इसमें अश्वारोही दल रहे, इसके लिए प्रयास किया। अश्वारोही बल की भूमिका कानून व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण वगैरह कामों में है लेकिन आज के बदलते परिवेश में इसकी भूमिका सीमित हो गई है। फिर भी इसको बनाए रखना है। बिहार में 101 अश्व हैं, नए और बेहतरीन अश्व भी खरीदे गए हैं, उनका ट्रेनिंग भी कराया गया है, उन्हें मेंटेन कर रखा गया है, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को बधाई देता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में पुलिस की एक्टिविटी बहुत ज्यादा है। ड्यूटी में व्यस्तता है। उनको प्रेरित करने के लिए हमने सुझाव दिया कि स्पोर्ट्स का आयोजन हो। अखिल भारतीय पुलिस कंट्रोल बोर्ड द्वारा बिहार में पांच–पांच आयोजन किया गया है। स्पोर्ट्स के आयोजन से लोगों का ध्यान केंद्रित होता है, पूरे व्यक्तित्व का विकास होता है। हम सरकार की तरफ से आश्वस्त करते हैं कि इस तरह के आयोजन के लिए जो भी राशि की जरुरत होगी, वो उपलब्ध कराएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस की सुविधाओं के लिए भी अनेक काम किये जा रहे हैं। रहने के लिए बेहतरीन पुलिस लाइन बनाया जा रहा है, बेहतरीन थाना भवनों का निर्माण हुआ है। पटना में गांधी मैदान थाना में लिफ्ट लगा हुआ। अच्छे वाहन और हथियार मुहैया कराये गये हैं। तेजी से नियुक्तियां हो रही हैं, कोई दिक्कत न हो, हर तरह की सुविधा और सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार पहला राज्य है, जहाँ महिलाओं को पुलिस नियुक्ति में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। जब बाहर निकलते हैं तो जिलों में गार्ड ऑफ ऑनर के लिए महिला पुलिस रहती हैं तो मुझे प्रसन्नता होती है। हर थाने में महिला पुलिस के लिए वाशरुम, टॉयलेट की व्यवस्था कर दी गई है। हर पहलू पर ध्यान दिया जा रहा है,

हर क्षेत्र में गतिविधि के साथ निष्ठा के साथ काम करने की जरुरत है। साथ ही लोगों को प्रेरित करते रहने की जरुरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पुलिस द्वारा इस तरह के पांच प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों में हिस्सा लेने का मौका मिला है, ये मेरे लिए प्रसन्नता की बात है। आपलोगों ने मुझे बुलाया, आप सब लोगों को बहुत–बहुत धन्यवाद। सभी विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ।

बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में 29 दिसंबर 2017 से दस दिनों तक इस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री द्वारा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसमें इस प्रतियोगिता में ओवर ऑल चैम्पियनशिप ट्रॉफी के विजेता सरदार वल्लभ भाई पटेल नेशनल अकादमी, हैदराबाद की टीम रही। रनर ऑफ ट्रॉफी बी0एस0एफ0 की टीम को दी गई। बेस्ट राइडर का खिताब इंस्पेक्टर सुमेर सिंह को दिया गया। माउंटेड पुलिस श्रेणी में बी0एस0एफ0 चैम्पियन टीम रही। बिहार पुलिस के सब इंस्पेक्टर मो0 गुलहसन एवं बी0एस0एफ0 के सुमेर सिंह को संयुक्त रुप से गोल्ड मेडल दिया गया। बिहार की महिला पुलिस इंस्पेक्टर उमा सिंह को लेडिज हैक्स प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। पहली बार इस प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री बिहार के नाम से लेडिज हॉक्स ट्रॉफी की शुरुआत की गई। बिहार को प्रतियोगिता में एक गोल्ड, दो सिल्वर, दो ब्रांज मेडल प्राप्त हुआ है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मार्च पास्ट किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा एक स्मारिका का विमोचन किया गया। आयोजन समिति द्वारा मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। पुलिस महानिदेशक के अनुरोध पर मुख्यमंत्री ने समापन की घोषणा की। खेल के समापन के बाद झंडे को मुख्यमंत्री ने ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड को सौंप दिया।

इस अवसर पर महाधिवक्ता श्री ललित किशोर, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव गृह श्री आमिर सुबहानी, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन के महानिदेशक श्री पी0एन0 राय, नागरिक सुरक्षा महानिदेशक श्री रविंद्र कुमार, महानिदेशक सह प्रबंध निदेशक सह अध्यक्ष बिहार पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन श्री सुनील कुमार सहित अन्य वरीय पुलिस अधिकारीगण एवं देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागीगण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******